©mayurpuri.com

हलका हलका

मुखड़ा:
हलका हलका सा ये नशा
बहका बहका सा ये समां
आजा ना जानेजाँ
आजा ना ये समां
जाए ना जाए ना

अंतरा 1:
क्यूँ भला सपनों के पीछे
दिल मेरा अपनों के पीछे
खोता है
ख़्वाहीशें आवारा बन के
टूट जाए तारा बन के
होता है

होता है कल मगर
बीता जो पल अगर
आए ना आए ना

अंतरा 2:
जल उठे शोला तो किसने
जो चले हवा तो किसने रोका है
हो रहा है दिल बेक़ाबू
ये नहीं आँख़ों का जादू
धोख़ा है

राहें धुआँ धुआँ
मंज़िल जाने कहाँ
खो रहा कारवाँ
हलका हलका सा ये नशा

©mayurpuri.com